कुमार जीवन - 37

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **एक बाप सर्व सम्बन्ध से मेरा है, यही स्मृति समर्थ आत्मा बना देती है। कुमार अब ऐसा जीवन का नक्शा तैयार करके दिखाओ जो सब कहें - "निर्विघ्न आत्मायें हैं तो यहाँ हैं"। सब विघ्न विनाशक बनो।** हलचल में आने वाले नहीं, वायुमण्डल को परिवर्तन करने वाले। शक्तिशाली वायुमण्डल बनाने वाले बनो। सदा विजय का झण्डा लहराता रहे। ऐसा विशेष नक्शा तैयार करो। जहाँ युनिटी है वहाँ सहज सफलता है। लेकिन गिराने में युनिटी नहीं करना, चढ़ाने में। सदा उड़ती कला में जाना है और सबको ले जाना है - यही लक्ष्य रहे।

➳ _ ➳ **कुमार अर्थात् सदा आज्ञाकारी वफ़ादार। हर कदम में फ़ालो फ़ादर करने वाले। जो बाप के गुण वह बच्चों के, जो बाप का कर्त्तव्य वह बच्चों का, जो बाप के संस्कार वह बच्चों के, इसको कहा जाता है फ़ालो फ़ादर। जो बाप ने किया है वही रिपीट करना है, कापी करना है।** इस कापी करने से फुल मार्क्स मिल जायेंगी। वहाँ कापी करने से मार्क्स कट जाती और यहाँ फुल मार्क्स मिल जाती।

➳ _ ➳ **तो जो भी संकल्प करो, पहले चेक करो कि बाप समान है? अगर नहीं है तो चेन्ज कर दो। अगर है तो प्रैक्टिकल में लाओ। कितना सहजमार्ग है! जो बाप ने किया वह आप करो। ऐसे सदा बाप को फालो करने वाले ही सदा मास्टर सर्वशक्तिवान स्थिति में स्थित रहते हैं।**

➳ _ ➳ बाप का वर्सा ही है सर्वशक्तियाँ और सर्वगुण। तो बाप के वारिस अर्थात् सर्वशक्तियों के, सर्वगुणों के अधिकारी। अधिकारी से अधिकार जा कैसे सकते? अगर अलबेले बने तो माया चोरी कर लेगी। माया को भी सबसे अच्छे ग्राहक ब्राह्मण आत्मायें लगती हैं। इसलिए वह भी अपना चांस लेती है। आधा कल्प उसके साथी रहे, तो अपने साथियों को ऐसे कैसे छोड़ेगी। माया का काम है आना, आपका काम है जीत प्राप्त करना, घबराना नहीं। शिकारी के आगे शिकार आता है तो घबरायेंगे क्या? **माया आती है तो जीत प्राप्त करो, घबराओ नहीं।** अच्छा! **(09-05-1983)**

➢➢ हलचल में आने के कारण

➳ _ ➳ व्यर्थ व् अशुद्ध संकल्प

➳ _ ➳ व्यर्थ व अशुभ बोल

➳ _ ➳ व्यर्थ व अशुद्ध कर्म

➢➢ शक्तिशाली वायुमंडल कैसे बनता है ?

➳ _ ➳ श्रेष्ठ संकल्पों से वृत्ति बनती है

→ वृत्ति से वाइब्रेशन फैलता है

- वाइब्रेशन से वायुमंडल बनता है

➳ _ ➳ योगयुक्त रहकर

➳ _ ➳ दूसरों को विशेषता देखने से

→ दूसरों की अच्छाईया देखने से हमारे में से खुशबू निकलेगी

→ दूसरों की बुराईया देखने से हमारे में से बदबू निकलेगी

➳ _ ➳ सर्व आत्माओं के प्रति शुभ भावना

➳ _ ➳ किसी के प्रति इर्ष्या / घृणा नहीं

➢➢ हमें किन किन बातों में बाबा का आज्ञाकारी बनना है ?

➳ _ ➳ बाबा की सबसे पहली श्रीमत है :- पवित्र बनो

➳ _ ➳ आत्म अभिमानी बनो

➳ _ ➳ अमृत्वेले से लेकर रात तक हर श्रीमत का पालन